

प्रवृत्ति (von रुच् mit प्र) f. *Wachstum, Zunahme*: मूढा प्रवृत्ति नोत्क-
ति द्वेके श्रीलीभमोक्तिः RĀGA-TAR. 6, 146.

प्रवेक (von रिच् mit प्र) m. *Ueberfluss*: नि ते देक्षस्य धीमहि प्रवेके
RV. 3, 30, 19.

प्रवेचन (wie eben) n. *Ueberschuss* RV. 1, 17, 6.

प्रवेचन (vom caus. von रुच् mit प्र) 1) adj. f. ई zur Liebe reizend, ver-
führend KATHĀS. 17, 124. — 2) nom. act. a) n. *Erläuterung* MĀDH. zu
PAÑKĀV. BR. oft. — b) n. *das Verführen* PRAB. 100, 19. = प्रतारणा Schol.
— c) n. *das Anpreisen*: शतरं स्तौति उपास्यत्वात्प्रवेचनार्थम् ÇĀṆK. zu
KĀND. UP. S. 20. Schol. zu KAP. 1, 95. 3, 68. auch f.: प्रशंसाभिमुखीक-
ण्डपा भारती वृत्तं प्रवेचना PRATĀPAR. 23, b, 9. *das günstige Ausma-*
len künftiger Dinge: सिद्धवद्वाविश्रेयःकथनं प्रवेचनम् PRATĀPAR. 22, a, 6.
Auch f. श्री ebend. 42, b, 5. DAÇAR. 1, 43. SĀH. D. 388.

प्रवेधन (von रुध् = रुच् mit प्र) n. *das Aufsteigen* TS. 7, 5, 4, 3.

प्ररोह (von रुच् mit प्र) m. 1) *das Keimen, Aufgehen, Hervorschießen*:
बीजं KAP. 4, 29. बीजं प्ररोहसमर्थम्, ब्रीह्यादि प्ररोहसमर्थम् KULL. zu
M. 9, 291 bei Lois. न च प्ररोहभिमुखो ऽपि दृश्यते मनोरथो ऽस्याः Ku-
MĀRAS. 5, 60. उपाङ्गान्यङ्गुलीनेत्रनासास्यश्रवणानि च । प्ररोहं याति चा-
ङ्गेभ्यस्तद्वत्तेभ्यो नखादिकम् ॥ MĀRK. P. 11, 4. — 2) *Schoss, Sprosse,*
Knospe, Trieb H. 1118. SUÇR. 1, 133, 16. न्यग्रोधं 289, 17. पुष्पफलप्ररो-
हाः 2, 186, 3. 436, 1. प्ररोहाब्जं न्यग्रोधम् HARIV. 5291. R. 4, 23, 23. RAGH.
8, 92. 9, 59. 13, 71. KUMĀRAS. 7, 17. ÇĀK. Ch. 61, 14. VIKR. 137. R. 1, 22.
RĀGA-TAR. 6, 367. उरु° adj. BHĀG. P. 3, 9, 16. *Auswuchs*: मांस° SUÇR. 1,
87, 14. 238, 7. 260, 9. 308, 6. ज्योतिः°, प्रभा° *Lichtausläufer* so v. a. *Strah-*
len KUMĀRAS. 3, 49. RAGH. 6, 33. — Vgl. दृढ°, मही°, प्ररोहः.

प्ररोहण (wie eben) n. 1) *das Keimen, Aufgehen, Aufschießen, Auf-*
wachsen: बीजानि प्ररोहणसमर्थानि GAUDAP. zu SĀṆKEBJAK. 67. GIVAN-
MUKTIV. bei NILAK. 29. नराणां मृदुसन्तानां कुले कन्याप्ररोहणम् MBH.
5, 3515. — 2) *Schoss, Knospe, Trieb* MBH. 7, 2411. HARIV. 391, wo wohl
डुग्धं किन्प्ररोहणम् zu lesen ist.

प्ररोहवत् (von प्ररोह) adj. *mit Pflanzenwuchs versehen*: भूमि SUÇR.
1, 138, 19.

प्ररोहिन् (von रुच् mit प्र oder von प्ररोह) adj. 1) *aufschießend, wach-*
send: प्ररोहिशाखिन् JĀGṆ. 2, 227. nach St. *ein Baum, dessen Zweige*
wieder wachsen; viell. *ein noch wachsender, lebender Baum*. बीजकाण्ड°
aus Samen und Stamm aufschießend M. 1, 46. — 2) *wachsen lassend*:
सर्वशस्य° MBH. 3, 10930. HARIV. 393. सर्वभूत° 11596.

प्रलीयि (denom. von 1. प्र + स्त), °यति = प्रालीयि VOP. 2, 4.

प्रर्षभीय (denom. von 1. प्र + ऋषभ), °यति = प्रार्षभीय P. 6, 1, 92, Sch.

प्रलयन (von लप् mit प्र) n. *das Schwatzen, Plaudern* SĀH. D. 70, 12.
PAÑKĀT. 163, 14.

प्रलयित s. u. लप् mit प्र.

प्रलब्धव्य (von लभ् mit प्र) adj. *zum Besten zu haben*: °व्या न ते व-
यम् MBH. 3, 2785.

प्रलम्ब (von लम्ब् mit प्र) 1) adj. f. श्री *herabhängend*: घण्टा HARIV.
3849. बाहु 4766. सोमप्रु Schol. zu KĀTJ. ÇR. 747, 10. Gewöhnlich in
comp. mit seinem subst. °बाहु MBH. 1, 7212. 3, 16348. HARIV. 8383.
BHĀG. P. 1, 19, 27. Lot. de la b. l. 569. प्रलम्बोज्ज्वलचारुघोषा MBH. 1,

7082. प्रलम्बोदरमेक्षणाः 9, 2399. °रदनच्छद् (so ist st. वदन° zu lesen) R.
5, 23, 15. °केश VP. 4, 3 bei Muir, ST. 1, 182, N. 14. प्रलम्बाण्ड H. 437.
VET. in LA. 4, 19. प्रलम्बाभरण MBH. 13, 3945. प्रलम्बाभ्रभूषण HARIV.
2440. 3753. Von Personen gesagt viell. so v. a. *pralambavakṣu* MBH. 10,
288. — 2) m. a) *das Herabhängen* H. an. 3, 448. MED. b. 13. fg. — b)
Ast TRIK. 3, 3, 282. H. an. MED. — c) *ein Schoss der Wetnpalme* (ता-
लाङ्कुरः; लताङ्कुर [the new shoot or bud of a creeping plant WILS.] in
MED. ist ein Druckfehler) H. an. MED. — d) *Gurke* (त्रुपुष, welches Wil-
son durch Zinn wiedergiebt). — e) *die weibliche Brust*. — f) *eine Art*
Perlenschmuck (कार्मेद्) MED. — g) N. pr. eines Daitja, den Bāladeva
erschlug, TRIK. H. an. MED. MBH. 1, 2337. 7, 386. HARIV. 2287. 3114.
3739. fgg. 5876. 6782. 8390. 9101. 12941. 14289. KATHĀS. 47, 12. BHĀG. P.
2, 7, 34. SĀH. D. 7, 11. Bāladeva (Kṛṣṇa) führt die Beinamen: °प्र
AK. 1, 1, 4, 18. H. 224, Sch. HALĀJ. 1, 28. °रुन् MBH. 9, 2740. 3358. °मयन
HARIV. 10409. °भिद् H. 224. — h) N. pr. einer Localität (eines Berges
nach dem Comm.) R. 2, 68, 12. — 3) f. श्री N. pr. einer Rākshasi Lot.
de la b. l. 240. — Vgl. प्रलम्ब.

प्रलम्बक (wie eben) *wohlriechendes Rohisha-Gras* NIGH. PR.

प्रलम्बन (wie eben) n. *das Herabhängen* H. an. 3, 448. MED. b. 14.

प्रलम्बिन् (wie eben) adj. *herabhängend* SUÇR. 2, 423, 9. रसनाय HARIV.
12226. त्रि° *drei herabhängende Körpertheile habend* R. 5, 32, 13.

प्रलम्बीकर (प्रलम्ब + 1. कर्) *herabhängend machen*: °कृतमूर्धन
R. 4, 12, 1.

प्रलम्भ (von लम् mit प्र) m. nom. act. VOP. 26. 173. P. 7, 1, 67, Sch.
ईषत्प्र°, उष्प्र°, सु° ebend. 1) *Erlangung, Gewinnung*: सीता° R. 5, 68,
43. — 2) *das Anführen, Hintergehen, Foppung* P. 6, 1, 48, VĀRTT. MBH.
1, 4303. pl. 2, 1675. n. 1816.

प्रलम्भन (wie eben) n. *das Anführen, Hintergehen, Foppen* P. 1, 3, 69.
6, 1, 48, Sch. BHĀG. P. 5, 23, 11. 8, 20, 5 (BURNOUR fälschlich प्रलोभन). 22, 2.

प्रलय (von ली mit प्र) m. 1) *Auflösung, Vernichtung, Tod, Vernich-*
tung —, *Ende der Welt* AK. 1, 1, 2, 22. 2, 8, 2, 84. H. 161. an. 3, 494.
MED. j. 89. वृद्धं प्रलयमुपगच्छमानम् SHADV. BR. 4, 6. MÜLLER, SL. 105.
यदा सत्त्वे प्रवृद्धे तु प्रलयं याति देहम् BHAG. 14, 14. fg. भौममिदं स्याव-
रज्जुमम् — प्रलयं वै गमिष्यति MATSOP. 27. भूतानि जज्ञिरे तस्मात्प्रलयं
याति तत्र हि MBH. 3, 1713. खे वायुः प्रलयं याति 12, 12894. HARIV. 2936.
°स्थितिसर्गीणाम् KUMĀRAS. 2, 6. प्रलयोदयो 8. SUÇR. 1, 77, 5. 6. KATHĀS.
28. 182. BHAG. 14, 2. त्रिजगत्प्रलय VET. in LA. 5, 1. ÇĀṆK. zu KĀND. UP.
S. 77. fg. SIDDHĀNTAÇR. 7, 15. VP. 56. 621. 630. 634. 638. महाप्रलयका-
रण MĀRK. P. 99, 53. °दहनं beim Untergang der Welt Spr. 98. प्रलया-
तग Beiw. der Sonne MĀRK. P. 109, 65. प्रबलतरनरपतिप्रलयमकार्षव
PRAB. 2, 5. प्रलयात्पितुः durch den Tod des Vaters KATHĀS. 36, 74. कुञ्जरः
प्रलयं गतः Spr. 888. शस्ये प्रलयं गते zu Grunde gegangen 99. देशाश्च
प्रलयं गताः VET. in LA. 33, 15. किं कन्दाः कन्दरेभ्यः प्रलयमुपगताः 663.
807. अथ तान्येव कर्माणि ते (राजानः) चापि प्रलयं गताः 3260. संज्ञातनि-
द्रा° adj. so v. a. *der ausgeschlafen hat* PAÑKĀT. 265, 11. अहं कृतस्य
जगतः प्रभवः प्रलयस्तथा *Ursache der Auflösung* BHAG. 7, 6. BRHADD. in
Ind. St. 1, 113, 3 v. u. — 2) *Ohnmacht* AK. 1, 1, 2, 33. H. 307. H. an. MED.
प्रलयः सुखदुःखाद्यैर्गामिन्द्रियमूर्धनम् PRATĀPAR. 50, b, 5. SĀH. D. 63, 2, 11.